लेखा एव अंकेक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली 27 नगरीय निकाय को किया सम्मानित

जयपुर (कासं)। प्रदेश की नगरीय निकायों में दोहरी लेखा पद्धति एवं लेखा व अंकेक्षण की व्यवस्था व्यवस्थित रूप से लागू होने से नगरीय निकाय आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुई है। लेखा एव अंकेक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले स्वायत्त शासन विभाग की 3 अधिकारियों सहित 27 नगरीय निकाय को दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र में सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य रूप से निदेशक एवं संयुक्त सचिव स्वायत्त शासन विभाग पवन अरोड़ा, अतिरिक्त निदेशक मुकेश कुमार मीणा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जनाग्रह श्रीकांथ विश्वनाथन, मुख्य लेखाधिकारी हुलास राय पवार तथा भरतपुर नगर निगम के महापौर शिव सिंह, जोधपुर नगर निगम के महापौर घनश्याम ओझा एवं उदयपुर नगर निगम के महापौर चन्द्र सिंह कोठारी एवं सभी नगरीय निकायों के अध्यक्ष, सभापति, आयुक्त, अधिशाषी अधिकारी, मुख्य लेखाधिकारी, वरिष्ठ लेखाधिकारी व लेखा शाखा से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय निकाय आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुई : कृपलानी

कृपलानी ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की नगरीय निकायों में दोहरी लेखा पद्धति एवं लेखा व अंकेक्षण की व्यवस्था व्यवस्थित रूप से लागू होने से नगरीय निकाय आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 191 से 1950 नगरीय निकायों से लेखा व अंकेक्षण के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है। उन्होंने बताया कि कोई भी संस्था दुकान, फैक्ट्री, कम्पनी जब ही बेहतर रूप से चल सकती है। जबकि उसका लेखा व अंकेक्षण का कार्य सुदृढ़ रूप से हो। लेखा व अंकेक्षण का कार्य किसी भी संस्था को मजबूत बनाता है। उन्होनें बताया कि प्रदेश की सरकार ने नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए सभी नगरीय निकायों में लेखा व अंकेक्षण व्यवस्था लागू की थी, जिसके सुदृढ़ परिणाम प्राप्त हुए है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के बेहतर सामंजस्य से विकास कार्यो में तेजी आती है।

उन्होंने बताया कि हमारा प्रदेश सभी केन्द्रिय योजनाओं में पूरे देश में सबसे आगे है। हमें स्वच्छ भारत मिशन में भी आगे आना होगा। उन्होनें बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण मानवता के नाते श्रेष्ठ कार्य है। सभी नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को इस कार्य में संयुक्त रूप से कार्य करते हुए प्रदेश में खुले में शौच मुक्त बनाना होगा। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही प्रदेश के सभी चिकित्सालयों में अन्नपूर्णा रसोई योजना लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय है कि प्रदेश के सभी शहर स्मार्ट शहर बनें। इस अवसर पर निदेशक एवं संयुक्त सचिव स्वायत्त शासन विभाग पवन अरोड़ा ने कहा कि किसी भी संस्था की बेलेंसशीट उस संस्था का आईना होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को सफल बनाने के लिए बजट बनाया जाता है। सही बजट तथा लेखा व अंकेक्षण कार्य की सफलता निश्चित करते है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए अपने राजस्व वसूली में छीजत को खतम करना होगा, पारदर्शिता लानी होगी तथा राजस्व बढ़ाने के लिए प्रभावशाली प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को अपने प्रशासनिक व्यय में कटौती करनी होगी। उन्होनें नगरीय निकायों को सुझाव दिया कि वे आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता लाने के लिए लैण्ड बैंक बनाये तथा किराये पर दी हुई सम्पत्तियों के सम्बन्ध में उचित निर्णय लें। उन्होनें स्वच्छ भारत मिशन के तहत निर्धारित लक्ष्यों की शीघ्र प्राप्ति के लिए निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान जनाग्रह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीकांथ विश्वनाथन ने बताया कि उनके द्वारा नगरीय निकायों में लेखा व अंकेक्षण के लिए किये गये कार्यो के लिए सफल परिणाम प्राप्त हुए है। देश में राजस्थान पहला प्रदेश है जहां नगरीय निकाय क्षेत्र में एक साथ यह मॉडल लागू किया गया है।

उन्होंने सुझाव दिया कि नगरीय निकाय अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए ऑडिट के आंकड़ों के आधार पर कार्य करें। समारोह में भरतपुर नगर निगम के महापौर शिव सिंह, जोधपुर नगर निगम के महापौर घनश्याम ओझा एवं उदयपुर नगर निगम के महापौर चन्द्र सिंह कोठारी ने लेखा व अंकेक्षण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यो की जानकारी दी।

इस अवसर पर वरिष्ठ नगर नियोजक आर.के. विजयवर्गीय ने नगर नियोजन से सम्बन्धित विभिन्न विषयों की विस्तार से जानकारी दी। सम्मान समारोह में स्वायत्त शासन विभाग के मुख्य लेखाधिकारी हुलास राय पवार, सहायक लेखाधिकारी ज्ञानप्रकाश शर्मा तथा राजस्व अधिकारी कमलदीप शर्मा एवं 27 नगरीय निकायों को वर्ष 2015-16 के लेखे एवं अंकेक्षण के कार्य के आधार पर अंकेक्षण कार्य को शीघ्र पूरा करने, स्वयं के निजी राजस्व में सबसे अधिक वृद्धि करने, कुल राजस्व में निजी राजस्व का अधिक प्रतिशत होने एवं प्रमुख वित्तीय सुधारों का बेहतर प्रदर्शन करने की विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उदयपुर एवं बालोतरा की रिपोर्ट जारी की गई एवं लेखा एवं अंकेक्षण के दिशा-निर्देशों की पुस्तिका का विमोचन किया गया। स्वायत्त शासन विभाग के अतिरिक्त निदेशक मुकेश कुमार मीणा ने अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया।

Scanned by CamScanner